सूर्या फाउण्डेशन

मासिक पत्रिका
अगस्त–2023

मेरा गाँव
मेरा बड़ा परिवार

- शिक्षा
- स्वास्थ्य
- पर्यावरण
- स्वावलंबन
- समरसता

संदेश

ग्राम विकास से देश विकास के मॉडल को सामने रखकर आप सभी एक ऐसा गाँव बनाने का प्रयास कर रहे हैं, जहाँ सभी ग्रामीण शिक्षित हों, स्वस्थ हों, निरोगी हों, हर हाथ को काम, हर खेत को पानी हो, आपस में मिलकर रहें, पूरा गाँव स्वच्छ हो, नशामुक्त हो, गाँव के सभी किसान समृद्ध व खुशहाल हों। आप सभी ने पर्यावरण दिवस पर इकोब्रिक्स के माध्यम से प्लास्टिक मुक्त भारत अभियान चलाकर लोगों को जागरूक किया। आप सब को बहुत-बहुत बधाई।

पिछले कई वर्षों से सूर्या फाउण्डेशन जल संरक्षण के लिए नये तालाबों का निर्माण, गहरीकरण, मेड़बंदी, डबरी निर्माण, सोख्ता गड्ढा निर्माण, वाटर टैंक निर्माण एवं जंगल को बचाने फलदार, छायादार, औषधीय पौधों की रोपाई व रखरखाव करने का महाभियान चला रहा है। इस पुनीत कार्य में हम सबका अधिक से अधिक सहभाग हो एवं अधिक से अधिक ग्रामवासी इस कार्यक्रम में भाग लेकर पर्यावरण संरक्षण में अपना योगदान दें, हमें यही प्रयत्न करना है। ''पर्यावरण की रक्षा दुनियाँ की सुरक्षा'' इस वाक्य को चरितार्थ करने के लिए आप पूरे मनोयोग से इस काम को पूरा करेंगे, ऐसा हमारा विश्वास है।

पद्मश्री
जयप्रकाश अग्रवाल
चेयरमैन - सूर्या फाउण्डेशन

Scan QR Code and Watch Video

सफलता की कहानी
चवन्नी

सुरेंद्र कश्यप जी ग्राम फफूण्डा जिला मेरठ-उत्तर प्रदेश के निवासी हैं आटो चलाकर अपने परिवार का गुजारा करते थे। कुछ दिन के बाद उनका हाथ टूट गया तो अब परिवार में कमाई का कोई साधन ही नहीं रहा और पैसे की आवश्यकता निरंतर बढ़ती रही किसी दोस्त ने कहा कि गाय के गोबर की छोटी उपले बनाना शुरू करो और बेचो तो अच्छा चलेगा। शुरुआती साल में काफी दिक्कते आयी फिर भी हिम्मत बनी रही कि एक दिन मेरा यह रोजगार जरूर उन्नति करेगा। कई बार कुछ लोग मुझे बोलते कि तुम आराम से नियमित 300-400 रुपये कमाकर परिवार चला सकते हो पर इसी काम में क्यों लगे हो तो मैं बोला करता कि इसमें मेरी चवन्नी गिर गई है उसे खोजने में लगा हूँ और हँसकर टाल दिया और निरन्तर अपने कार्य को समय देता रहा। सैंपल को दिल्ली तक पहुँचाया तो काफी मांग बढ़ी। **मुझे इस सफलता के मुकाम तक पहुँचाने में सूर्या फाउण्डेशन का मुख्य योगदान है क्योंकि उन्होंने मुझे सूर्या साधना स्थली में गौ उत्पाद की ट्रेनिंग दिया और 6 राज्यों से आये लोगों के बीच हमारे कार्य को देखकर मुझे पुरस्कृत एवं सम्मानित किया तो मुझे और बल मिला।** अब दिल्ली से आर्डर मिलने लगा मांग बढ़ती गई। आज ईश्वर की कृपा और गौ माता के आशीर्वाद से आर्डर की भरपाई नहीं हो पा रही है मेरी पत्नी बोली कि अब कैसे इनकी पूर्ति करोगे तो मैंने बोला कि आप 4-5 समूह की महिलाओं को काम दो। एक समय वह था जब हम 2-3 हजार की नौकरी की तलाश में दर-दर भटक रहे थे आज हम बहुत खुश हैं कि आज मैं और मेरी पत्नी 5-6 महिलाओं को काम दे रहे हैं।

यूट्यूब पर वीडियो देखने के लिए इस लिंक पर क्लिक करें... Click here

निःशुल्क स्ट्रीट लाईट व पौधा वितरण

नयागाँव, झज्जर (हरियाणा)

हरियाणा (बहादुरगढ़) के नयागाँव में फलदार पौधा वितरण कार्यक्रम किया गया। इस अवसर पर 100 परिवारों को 5-5 फलदार पौधे वितरित किये गये। साथ ही सूर्या फाउण्डेशन द्वारा गाँव के लिए 10 स्ट्रीट लाइटें व मंदिर में पूजा पाठ के लिए हवन कुण्ड भी ग्राम सरपंच जी को भेंट किया गया। इस कार्यक्रम में आ. वेद जी (वाइस चेयरमैन-सूर्या फाउण्डेशन), श्री संजय जी (Plant-CCO) तथा श्री प्रमोद आसरे (आदर्श गाँव योजना-प्रमुख) उपस्थित रहे।

वृक्षारोपण

विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी सूर्या फाउण्डेशन आदर्श गाँव योजना के अन्तर्गत देशभर के 18 राज्यों में वृक्षारोपण अभियान चलाया गया। 310 गाँवों में 500 पर्यावरण मित्रों द्वारा इस अभियान को सफल बनाया गया। जिसमें एक गाँव के कम से कम 100 परिवारों में 5-5 फलदार पौधे लगवाये गये। पौधों की सुरक्षा हेतु फाउण्डेशन द्वारा प्रत्येक परिवार को संकल्प पत्र दिया गया। 500 पर्यावरण मित्रों द्वारा भी अपने-अपने घरों में फलदार पौधे लगाये गये साथ ही रक्षासूत्र बांधकर पौधे की सुरक्षा करने की जिम्मेदारी ली गई।

आने वाली पीढ़ी वृक्षारोपण के प्रति जागरूक हो, लगे हुए पौधों का संरक्षण हो, आज के युवा भी भारत को हरा भरा बनाने के लिए आगे आयें इसके लिए फाउण्डेशन द्वारा चलाये जा रहे प्रकल्पों द्वारा जुड़े बच्चों, युवाओं, बुजुर्गों एवं महिलाओं द्वारा जन-जागरूकता रैली, चित्रकला, गोष्ठी, संकल्प आदि कराये गये। गाँव के सभी लोगों ने इस अभियान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। सूर्या फाउण्डेशन द्वारा इस वर्ष 31000 परिवारों में लगभग 1.55 लाख फलदार पौधे लगवाये गये। प्रिंट एवं इलेक्ट्रानिक मीडिया में भी स्थान मिला।

महाभियान

सूर्या फाउण्डेशन की प्रेरणा से मैंने 2018 से पेड लगाना शुरू किया जिसका परिणाम स्वरूप मेरे घर के आस-पास 50 से ज्यादा पेड मैंने पिछले 5 सालों में लगा दिया है जिसमें विशेष कर छायादार पेड़ बकरी तथा भैंस के बैठने के लिए काम आ रहे हैं तो फलदार पेड़ जिसमें नींबू तथा अनार घर के उपयोग में आ रहे हैं। इस वर्ष भी मैंने सूर्या फाउण्डेशन के द्वारा अच्छी गुणवत्ता वाले काजरी के 30 बैर के पौधे लगाए हैं जो 2 साल बाद घर में अतिरिक्त आय का साधन भी बनेगा। नांदियाकल्ला में सूर्या फाउण्डेशन के द्वारा हर साल वृक्ष उपलब्ध करा रहे हैं और इस साल सूर्या फल वाटिका तथा 1000 से अधिक फलदार पेड़ गाँव को उपलब्ध कराये गये। इसके लिए मैं सूर्या परिवार का हार्दिक आभार व्यक्त करता हूँ।

–गणपत राम मेघवाल
(सेवाभावी)

जल संरक्षण

जन जागरुकता हेतु किए गए कार्य

जागरूकता रैली- सूर्या संस्कार केन्द्र और यूथ क्लब के द्वारा गाँव-गाँव में जागरूकता रैली निकाली गई।

जल संरक्षण संगोष्ठी- जल संरक्षण जागरूकता हेतु गाँवों में ग्रामवासियों के सहयोग से गोष्ठियाँ करायी गयीं।

संकल्प- गाँव में जल संरक्षण हेतु सूर्या यूथ क्लब के युवाओं, सेवाभावियों एवं माताओं-बहनों को जल संरक्षण हेतु संकल्प कराया गया।

चित्रकला प्रतियोगिता- जल संरक्षण के प्रति बच्चों में जागरूकता आये, इसके लिए पूरे देश में संस्कार केन्द्र के बच्चों की जल संरक्षण विषय पर चित्रकला प्रतियोगिता करायी गयी।

संभाषण प्रतियोगिता- जल संरक्षण में जागरूकता लाने के लिए संस्कार केन्द्र के भैया-बहनों की संभाषण प्रतियोगिता करायी गयी।

घर घर संपर्क- गाँव-गाँव में सूर्या फाउण्डेशन की टीम द्वारा घर-घर जाकर जल संरक्षण के प्रति जागरूकता लाने के लिए संपर्क किया गया। कैसे जल बचा सकते हैं, इसके बारे में जानकारी दी गयी।

सम्मान समारोह- जल संरक्षण के क्षेत्र में विशेष योगदान देने वाले लोगों को सूर्या फाउण्डेशन द्वारा पटका व अंग वस्त्र पहनाकर सम्मानित किया गया।

जल सरंक्षण हेतु किए गए कार्य

तालाब की खुदाई व गहरीकरण	:	10
एनिकट बाँध व जलाशय	:	01
खेतों में मेडबंदी का कार्य	:	11
सोख्ता गड्ढे का निर्माण	:	03
खेतों में डबरी/गड्ढों का निर्माण	:	06
छत का पानी संग्रह हेतु वाटर टैंक	:	27
वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम	:	04

गौ माता की रक्षा हेतु रेडियम का अनोखा प्रयोग

गुजरात के कच्छ जिले में सूर्या फाउण्डेशन के कार्यकर्ताओं द्वारा अद्वितीय प्रयोग शुरू किया गया है, जिसमें गायों के गले में रेडियम की पट्टी लगाने का काम किया जा रहा है। यह विशेष पट्टी गायों की सुरक्षा में सुधार करने का प्रयास है, जिससे उनकी गतिविधियों का पता लगाया जा सके और उनके खोने की संभावना को कम किया जा सके। इस विशेष प्रयोग के लिए, गायों के गले में एक छोटी सी रेडियम की पट्टी लगाई जाती है, जिसमें छोटे से रेडियो संकेतक का उपयोग किया जाता है। गुजरात के पांतिया गाँव में यह अनोखा प्रयोग शुरू किया गया है। अब स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा रेडियम की पट्टी बनाई जायेगी। इस अभियान को बड़े स्वरूप में चलाया जाएगा जिससे गायों की सुरक्षा की जा सके ताकि अंधेरे में वाहनों की चपेट में आने से दुर्घटना होती रहती है रेडियम की पट्टी लगने से दूर से ही पता चल जायेगा कि गाय है।

अब तक 100 गायों को पट्टी लगाई जा चुकी हैं।

माताओं बहनों को वितरण की गई सहायक राशि

गुजरात के कच्छ जिला में गाँव भूवड़ में (सूर्या रोशनी लिमिटेड द्वारा) दी जाने वाली विधवा सहाय सहायक राशि सूर्या फाउण्डेशन के माध्यम से वितरण किया गया व विधवा माताओं-बहनों को सम्मानित भी किया गया। 10 सालों से यह विधवा सहाय सहायक राशि भुवड़ गाँव की 12 विधवा माताओं-बहनों को दी जाती है। माताओं-बहनों के साथ चर्चा की गई।

हस्तशिल्प कला प्रशिक्षण

मालनपुर, भिण्ड (म.प्र.)

ग्रामीण महिलाएँ स्वावलंबी बने इस उद्देश्य से मध्य प्रदेश में भिण्ड जिले के सिंगवारी और हरिराम का पूरा गाँव में सूर्या फाउण्डेशन द्वारा 6 दिवसीय हस्तशिल्प कला प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाया गया। प्रशिक्षिका 'पूनम तिवारी' द्वारा इस प्रशिक्षण में महिलाओं को राखी और खिलौने बनाना सिखाया गया। यह प्रशिक्षण निश्चय ही महिलाओं के स्वावलंबन में सहायक सिद्ध होगा। इस प्रशिक्षण में स्वयं सहायता समूह की 50 महिलाओं ने भाग लिया।

त्यौहार भी हमें रोजगार और खुशियाँ देते हैं।

आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ती स्वयं सहायता समूह की महिलाएँ...

सूर्या फाउण्डेशन द्वारा संचालित महिला स्वयं सहायता समूहों ने स्थानीय उत्पादों की पहचान को बढ़ावा देने के लिए पिछले कई महीने से स्टॉल लगाने का कार्य शुरू किया है। स्टॉल में विभिन्न प्रकार के स्थानीय उत्पाद जैसे कि खाद्य सामग्री, वस्त्र सामग्री, गौ उत्पाद सामग्री, हस्तशिल्प सामग्री आदि बेंचे जाते हैं। ये स्थान स्थानीय उत्पादकों के लिए नए बाजार और ग्राहकों के लिए एक विशिष्ट खरीद्दारी स्थल की भूमिका निभाता है। यहाँ पर महिलाएँ अपने उत्पादों को प्रमोट करती हैं और स्थानीय स्तर पर अपनी पहचान बना रही हैं। इसके साथ ही साथ उन्हें बढ़ते प्रतिस्पर्धा के चलते बाजार में उत्तरदायित्व सहित नई दिशाओं में सोचने का अवसर मिलता है। इस कार्य से जुड़कर महिलाएँ आत्मनिर्भर बन रही हैं।

बहादुरगढ़ (हरियाणा)

काशीपुर (उत्तराखण्ड)

मेरठ (उत्तर प्रदेश)

आदर्श गाँव के रूप में उभरता नांदियाकल्ला गाँव

जोधपुर से करीब 70 किलोमीटर दूर स्थित नांदियाकल्ला जल संरक्षण और पर्यावरण के क्षेत्र में अकल्पनीय काम में लगा है पानी के लिए तरसते इस गाँव के लोग पौधारोपण कर रहे हैं अपने स्तर पर धन संग्रह कर तालाब खोद रहे हैं और वर्षा जल संरक्षण का भविष्य संवारने में जुट गये हैं।

राजस्थान के जोधपुर जिले में स्थित नांदियाकल्ला गाँव एक आदर्श उदाहरण है जो जल संरक्षण और वृक्षारोपण की दिशा में उभर रहा है। जो स्थानीय लोगों के माध्यम से पर्यावरण और संरक्षण के प्रति समर्पित है। गाँव के निवासियों ने जल संचयन और पुनर्चक्रण के लिए कई पहलुओं को अपनाया है। वर्षों से पानी की बचत के उपायों का प्रयास के अंतर्गत पुराने तालबों का गहरीकरण एवं नए तालाबों का निर्माण किया गया जिसमें न केवल पानी की बचत हो रही है, बल्कि यह गाँव को बाढ़ और सूखे के खतरों से भी बचा रहा है। इसके साथ ही नांदियाकल्ला गाँव वृक्षारोपण की महत्वपूर्ण भूमिका भी निभा रहा है। गाँव के प्रत्येक नागरिक के लिए वृक्ष लगाने का प्रोत्साहन दिया जाता है और उन्हें वृक्षारोपण के लाभों के प्रति जागरूक किया जाता है। वृक्षारोपण के माध्यम से ग्रामवासियों ने पर्यावरण सुरक्षा की दिशा में अपना पूरा सहयोग किया है। नांदियाकल्ला गाँव का यह प्रयास सिर्फ गाँव में ही नहीं, बल्कि आस-पास के क्षेत्रों में भी प्रेरणास्रोत बन चुका है।

हर घर तिरंगा अभियान व तिरंगा यात्रा

सूर्या फाउण्डेशन आदर्श गाँव योजना के अन्तर्गत स्वतंत्रता दिवस पर हर घर तिरंगा अभियान को अपने कार्ययुक्त गाँवों में सूर्या संस्कार केन्द्र के बच्चों द्वारा अपने-अपने घरों में खादी के बने हुये तिरंगे को लगाया और रैली निकालकर लोगों को जागरूक भी किया। साथ दार्जिलिंग (पश्चिम बंगाल) में सूर्या फाउण्डेशन, सीमांत चेतना मंच और सीमा सुरक्षा बल (BSF) के जवानों द्वारा भारत-बांग्लादेश बॉर्डर के सीमांत क्षेत्र में 25 किमी की मोटरसाइकिल तिरंगा यात्रा का आयोजन हुआ। इस यात्रा से पूरे क्षेत्र में देशभक्ति का वातावरण बना दिया। यात्रा में सीमांत क्षेत्र के 10 गाँवो के सैकड़ों युवाओं ने भाग लिया।

समाचार पत्रों में कार्यक्रम की झलकियाँ...

जल सरंक्षण का दिलवाया संकल्प

कालवाड़ टाइम्स

जयपुर-निमेड़ा मुन्ना चौधरी। सूर्या फाउंडेशन आदर्श गांव योजना प्रकल्प के तहत देश भर में जारी वृक्षारोपण महाअभियान व जल सरंक्षण अभियान के तहत मासिक शिक्षक बैठक का आयोजन निमेड़ा में किया गया।जिसमें आगामी वृक्षारोपण महाअभियान की कार्ययोजना तैयार की गई।

जयपुर प्रवास पर आए फाउंडेशन जोन-1 प्रमुख शत्रुहन लाल कश्यप बैठक के मुख्य अतिथि रहे।कश्यप ने कार्यकर्ताओं को जल सरंक्षण का संकल्प दिलवाया।बैठक की अध्यक्षता क्षेत्र प्रमुख पप्पू कुमार ने की।बैठक में जयपुर के चयनित गांव निमेड़ा, नटलालपूरा,नन्दविहार, बिंदायका, नन्दगाँव, सरदारपूरा, जेतपुरा, मुण्डिया रामसर,मुण्डिया पुरोहितान के कार्यकर्ताओ को एक पौधा- एक संकल्प के तहत पौधे वितरित किए गए।बैठक में फाउंडेशन जेएफसी सूरज सेन,कार्यकर्ता सुजीत प्रजापत,मंगलचंद चौधरी,मुकेश प्रजापत,बजरंग प्रजापत,कन्हैया नोगिया,विनोद सोंकरिया,हरिमोहन राजोरिया, विष्णु बुनकर,पवन शर्मा,राजेंद्र शर्मा उपस्थित रहे।

અંજાર તાલુકામાં સંકલ્પ પત્ર સાથે વૃક્ષોનું વિતરણ કરાયું

। અંજાર । (સંદેશ બ્યુરો)

વન વિભાગ અંજાર શાખાનાં સહયોગથી પાંતિયા, માધવનગર, મખિયાણ, ભલોટ, થરાવડા, ચંદિયા ગામોમાં સૂર્યા ફાઉન્ડેશન દ્વારા

વૃક્ષારોપણ મહાઅભિયાન અંતર્ગત વૃક્ષ રથનાં માધ્યમથી સંકલ્પ પત્ર સાથે વૃક્ષોનું વિતરણ કરવામાં આવ્યું હતું.

ગુજરાતના પ્રમુખ મહીપતભાઈએ જણાવ્યું હતું કે, ભારતના ૧૮ રાજ્યોમાં આ અભિયાન ચલાવવામાં આવી રહ્યું છે. જેમાં સેવાભાવી, યુવા, કાર્યકર્તાઓ દ્વારા આ ભગીરથ કાર્ય થઈ રહ્યું છે. આ કાર્યક્રમમાં આરએફઓ જાદવ, વન નૂતનબેન, રિદ્ધિબેન, ધનુબેન, શિવ રજવાડી ઉપસ્થિત રહ્યા હતાં.

सूर्या फाउंडेशन ने चलाया पौधा वितरण कार्यक्रम

ग्रामीणों को पौधे वितरण करते फाउंडेशन सदस्य। (प्रवीण)

बहादुरगढ़, 2 अगस्त (प्रवीण): सूर्या फाउंडेशन आदर्श गांव के अंतर्गत नया गांव में पौधा वितरण कार्यक्रम आयोजन किया गया।

इसमें मुख्यातिथि के रूप में सूर्या फाउंडेशन के वाइस चेयरमैन वेद, संजय, नया गांव सरपंच रोहतास सैनी व सुरेश द्वारा 100 परिवारों को 5-5 फलदार पौधे वितरित किए गए।

फाउंडेश वाइस चेयरमैन वेद ने कहा जैसे हम अपने बच्चों का पालन पोषण करते हैं, ठीक उसी प्रकार हमें अपने जीवन में पौधों का पालन पोषण करना चाहिए है। ताकि पौधे पेड़ का रूप ले सके। उन्होंने बताया कि कई बार देखने में आया है कि हम पौधें तो रोपित कर देते है, मगर उनकी देखभाल करना भूल जाते है।

जिससे पौधा कुछ ही दिनों में सूख जाता है। ऐसा बिल्कुल भी न करे। पौधा रोपण के साथ हमें उसकी देखभाल का संकल्प भी लेना चाहिए। वृक्षारोपण बुनियादी लाभों में से एक है। पेड़-पौधे न सिर्फ हमें ऑक्सीजन देते हैं बल्कि फल, लकड़ी, फाइबर, रबर आदि और भी बहुत कुछ प्रदान करते हैं।

पेड़ पशुओं और पक्षियों के लिए आश्रय का काम करते हैं। वहीं सूर्या फाउंडेशन के द्वारा एक फलदार वाटिका भी तैयार की गई। सूर्या फाउंडेशन द्वारा गांव में 10 स्ट्रीट लाइट व शिव मंदिर के लिए हवन कुंड दिया गया।

इस मौके पर हरियाणा के प्रांत प्रमुख भंवर सिंह स्वरोजगार प्रमुख विकास, देव नारायण पांडे, कवल कुमार, शिक्षक जतिन, ग्राम संगठन की अध्यक्ष प्रेमलता, रेखा आदि लोग उपस्थित रहे।

महिलाओं ने लगाए खुद के बनाए उत्पाद के स्टॉल

महिलाओं की स्टॉल से सामान खरीदते लोग। संवाद

संवाद न्यूज एजेंसी

बहादुरगढ़। सूर्या फाउंडेशन आदर्श गाँव योजना के अन्तर्गत समग्र ग्राम विकास की परिकल्पना की दिशा में कार्यरत है, गांव के विकास में महिला सशक्तिकरण और स्वावलंबन का समावेश होना बहुत जरूरी है। इसी उद्देश्य से सूर्या परिसर में महिलाओं के एक स्वयं सहायता समूह ने घरेलू उपयोग की वस्तुओं की स्टॉल लगाई।

फाउंडेशन महिला सशक्तिकरण को ध्यान में रखते हुए स्वयं सहायता समूह से जुड़ी महिलाओं को प्रशिक्षण देकर उन्हें मार्केटिंग के लिए प्रेरित कर रहा है इसके लिए सार्वजनिक स्थानों पर स्टॉल लगाना, छोटी छोटी दुकानों में संपर्क करना, बड़े व्यापारियों को सैंपल दिखाना आदि कार्य किए जा रहे हैं। इसी क्रम में आदर्श गांव नयागांव में संचालित स्वयं सहायता समूह की मातृशक्तियों द्वारा निर्मित उत्पादों जैसे अनेक प्रकार के अचार, विभिन्न प्रकार के साबुन, जुट के थैले, महिलाओं के , पुरुषों के लोवर और पायजामा आदि सामानों के प्रचार प्रसार हेतु दो दिवसीय स्टॉल लगाया गया सूर्या रोशनी प्लांट बहादुरगढ़ में कार्य करने वाले कर्मचारियों एवं अधिकारियों को उचित मूल्य में उत्पाद देकर उत्पाद के बारे में जानकारी दी गई। सभी लोगों ने महिलाओं द्वारा किए जा रहे इस कार्य की खूब प्रसंशा की एवं भविष्य में भी इस प्रकार की प्रदर्शनी समय समय पर प्लांट में लगती रहे इसका आग्रह भी किया। नयागांव की महिलाओं को प्रेरणा देने वाली प्रेमलता ने प्रदर्शनी में पूरा समय लगाकर उत्पादों के बारे में सभी को जानकारी दी और समूह द्वारा बनाई हुई वस्तुओं की बिक्री भी किया। इस मौके पर सूर्या प्लांट से संजय मौजूद रहे।

हस्तशिल्प प्रशिक्षण से महिलाओं को बना रहे स्वावलंबी

नगर संवाददाता ■ ग्वालियर

सूर्या फाउंडेशन आदर्श ग्राम योजना के अंतर्गत भिंड जिले के मालनपुर क्षेत्र ग्राम सिंगवारी और हरीराम का पुरा गांव में स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को स्वावलम्बी बनाने के लिए छह दिवसीय हस्तशिल्प प्रशिक्षण का आयोजन किया जा रहा है। मध्य प्रदेश क्षेत्र प्रमुख अशोक जी ने बताया कि इसी योजना के अंतर्गत संस्था का एक मुख्य आयाम महिलाओं के स्वयं सहायता समूह गठन और उनको स्वरोजगार से जोड़कर स्वावलम्बी बनाना है। सूर्या फाउंडेशन देशभर में महिलाओं को हस्तशिल्प, गौ उत्पाद, फूड प्रोसेसिंग आदि प्रशिक्षण देती है। इसी आयाम के अंतर्गत प्रशिक्षिका पूनम तिवारी महिलाओं को राखी एवं खिलौने आदि बनाने का प्रशिक्षण दे रही है। प्रशिक्षण का उद्देश्य समूह की महिलाएं अपने घर की आर्थिक स्थिति को मजबूत करें। इस प्रशिक्षण में समूह की 50 महिलाएं भाग ले रही हैं।

पर्यावरण संरक्षण हम सबका दायित्व: वेद

नवज्योति/सोयला। सूर्या फाउंडेशन द्वारा पौधरोपण महाअभियान के तहत नंदिया कलां में फल वाटिका का उद्घाटन तथा पौध वितरण कार्यक्रम में वेद वाईस चेयरमैन सूर्या फाउंडेशन ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण आज की मूलभूत व्यवस्था है तथा पौधे लगाने के साथ ही उसका संरक्षण करें। वहीं, सूर्या फाउंडेशन ने गांव में फल वाटिका के लिए 100000 का सहयोग किया। इसके संरक्षण का दायित्व श्री गोपाल गोसाई गौशाला तथा गोसाईं ग्राम विकास एवं सेवा संस्थान के द्वारा किया जाएगा। फलों से होने वाली आय गौशाला तथा गांव के लिए उपयोग में आएगी। इस दौरान वेद वाईस चेयरमैन सूर्या फाउंडेशन, युवा सरपंच जसवंतसिंह भाटी, प्रमोद आसरे, ग्राम एचआर इन्चार्ज सूर्या फाउण्डेशन बाबूलाल सिंघवी वार्ड पंच, मोहनराम गर्ग, वार्ड पंच योगी नथुनाथ, अध्यक्ष गोसाईं ग्राम विकास एवं सेवा संस्थान, हरिसिंह भाटी, किशोरकुमार सांखला, गणेश सोनी, कानसिंह पंवार, सूरज सैन सहित अनेक गणमान्य बन्धु उपस्थित रहे।

SURYA FOUNDATION
B-3/330, Paschim Vihar, New Delhi-110063
Tel. : +91-25261588, 25253681 | +91-9310214842
Email: contact@suryafoundation.org | www.suryafoundation.org